an>

Title: Problems caused to farmers due to irregularities in fencing along border area.

श्री शेर सिंह गुबाया (फ़िरोज़पुर) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं उन लोगों की बात करने के लिए खड़ा हुआ हूं, जिनके यहां पाकिस्तान बॉर्डर पर पंजाब, राजस्थान और गुजरात में फेंसिंग लगी हुई है। पिछली सरकार ने नोटीफिकेशन किया था, लेकिन उसके मुताबिक फेंसिंग नहीं लगी। कहीं दो किलोमीटर पीछे लग गयी, कहीं तीन किलोमीटर पीछे लग गयी। जिसकी वजह से किसानों और छोटे जमींदारों को बहुत नुकसान हुआ है। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स की मजबूरी है कि लेबर करने वाले लोग भी ज्यादा संख्या में वहां नहीं जा सकते हैं। उस फेंसिंग को दोबारा डेढ़ सौ मीटर के दायरे में लगाया गया है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि दोबारा से जो फेंसिंग लगी हुई है, उससे पहले लगी हुई फेंसिंग को डिसमेंटल करने की जरूरत है ताकि हजारों एकड़ रकबे पर खेती हो सके क्योंकि पेडी की बुआई शुरू होने वाली है। इसलिए उस फेंसिंग को रिमूव किया जाए। दूसरा, नई फेंसिंग के अंडर किसानों की जो जमीन आयी है, उसका मुआवजा किसानों को अभी तक नहीं दिया गया है, वह दिया जाए। इसके अलावा थोड़ी दूरी पर लगने वाली फेंसिंग को तुरन्त लगाया जाए ताकि वहां के रहने वाले छोटे और बड़े किसानों को कठिनाई न आए।

माननीय अध्यक्ष : मैं सूची के अतिरिक्त माननीय सदस्यों को बोलने का मौका दे रही हूं, लेकिन माननीय सदस्य अपनी बात एक-एक मिनट में समाप्त करें।

श्री निशिकान्त दूबे को श्री शेर सिंह गुबाया द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।